जननी जन्म भूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी

मामनुस्मर युद्ध्य च
जयन्ती प्रकाशन लक्ष्मणगढ

भारत सरकार पंजीयन नं. : 72322/91

शेखावाटी सन्मार्ग

सतीनां वै सतांचैव दातृणां विदुषां तथा।
आकरं गुण शीलानां लक्ष्मणदुर्गं मनोहरम्।।

नमोस्तु रामाय सलक्ष्मणाय देव्यै च तस्यै जनकात्मजायै।
नमोस्तु रुद्रेन्द्र यमानिलेभ्यो नमोस्तु चन्द्रार्कमरुद्गणेभ्यः।।

Mob: 9828665353
Web: www.srrividya.com

पाक्षिक । वर्ष–32। अंक–18। लक्ष्मणगढ 01 जुलाई 2023 । मूल्य (विशेषांक सहित) 100 रू. वार्षिक ।

नीमकाथाना जिले में कौशलदत्त शर्मा को नोडल अधिकारी किया

सीकर (निजसंवाददाता) | राज्य सरकार की ओर से नवगठित नीमकाथाना जिले में अधिकारियों को लगाने का क्रम जारी है। इसी श्रृंखला में राजकीय सीताराम मोदी वरिष्ठ उपाध्याय संस्कृत विद्यालय के प्राचार्य पंडित कौशलदत्त शर्मा को जिले का संस्कृत शिक्षा विभाग का नोडल अधिकारी नियुक्त किया है। संभागीय संस्कृत शिक्षाधिकारी गोपाल लाल जाट ने सोमवार को इस संबंध में आदेश जारी किए हैं। शर्मा के नोडल ऑफिसर बनने पर सीकर व नीमकाथाना जिले के शिक्षाविदों ने खुशी जताई |

डॉ. नाथावत का अभिनन्दन समारोह हुआ आयोजित

प्राचार्य पद पर एक दशक का सफ़र सफलतापूर्वक तय करने के उपलक्ष में

लक्ष्मणगढ़ | 24 जून (निजसंवाददाता) | स्थानीय श्री भगवानदास तोदी महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. नगेन्द्र सिंह नाथावत द्वारा एक दशक का सफ़र प्राचार्य पद पर तय करने पर महाविद्यालय प्रबंध समिति के सचिव आशकरण शर्मा व नथमल तोदी बीएड महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. बीनू शेखावत के आतिथ्य में संक्षिप्त व गरिमामय अभिनन्दन समारोह आयोजित किया गया | आयोजित समारोह में वक्ताओं ने डॉ. नगेन्द्र सिंह नाथावत के एक दशक का कार्यकाल सफलतापूर्वक तय करने तथा एकजूटता से कार्य करते हुए महाविद्यालय को और अधिक ऊंचाई पर ले जाने के लिए प्रेरित किया गया | वक्ताओं ने कहा कि डॉ. नाथावत के कठोर अनुशासन व्यवस्थित शिक्षण व्यवस्था के कारण शेखावाटी में तोदी महाविद्यालय की एक अलग और विशिष्ट पहचान बनी है तथा बालिका शिक्षा के लिए डॉ. नाथावत का प्रोत्साहन काबिले तारीफ व सराहनीय है | जिसकी बदौलत ही दूर दराज की बालिकाएं महाविद्यालय में बड़ी तादाद में दाखिला ले रही हैं |

स्वागत समारोह से अभिभूत डॉ. नाथावत ने इस अवसर पर ट्रस्ट, प्रबंध समिति, स्टाफ, अभिभावकों व विद्यार्थियों का आभार व्यक्त करते हुए नाथजी महाराज को याद करते हुए लक्ष्मणगढ़ वासियों का भी आभार जताते हुए भविष्य में इसी तरह सहयोग, स्नेह व समर्थन मिलते रहने की उम्मीद जाहिर की | इस अवसर पर डॉ. आनन्द शर्मा, डॉ. मनीषा शर्मा, लेफ्टिनेंट डॉ. नरेश कुमार वर्मा, प्रेम सिंह, महेश कुमार अग्रवाल, अखिलेश त्रिपाठी, मनीष देव मील, डॉ. जितेन्द्र कुमार कांटिया एवं प्रभाकर पुजारी द्वारा प्राचार्य डॉ. नगेन्द्र सिंह नाथावत को पुष्प गुच्छ भेंट कर सम्मानित किया गया | मंच संचालक डॉ. राशिद अली, पंकज शर्मा, प्रज्ञा चेजारा ने किया |

सेठ जुगलदास गनेडीवाला चेरीटेबल ट्रस्ट की ओर से निर्माणाधीन अतिथि भवन में एवं सत्संग भवन में भगवान् जगन्नाथ रथयात्रा का हुआ आयोजन

लक्ष्मणगढ़ 22 जून (निजसंवाददाता)। यहां शीतला मंदिर के पास स्थित सेठ जुगलदास गनेड़ीवाला चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा अतिथि भवन एवं सत्संग भवन का निर्माण जो पिछले 3 वर्ष से चल रहा है का 21 जून को शाम 5:00 बजे विद्वान पंडितों द्वारा भवन के लोकार्पण के लिए शुभ मुहूर्त निकालने का विचार विमर्श किया गया । यह जानकारी देते हुए हनुमान प्रसाद गनेडीवाल ने बताया कि विद्वान पंडितों से चर्चा परिचर्चा से पता चला कि मुहूर्त नवंबर 2023 के आखिर में निकलता है यानी दीपावली बाद लेकिन प्राचीन रिवाजों के मुताबिक मुहूर्त के बाद दीपावली आनी चाहिए ना की होली। विद्वान पंडितों ने बताया कि आज भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा एवं पुख्य नक्षत्र जो कि पिछले 50 वर्षों में बुधवार को पड़ा है अति शुभ मुहूर्त है।

अतः निर्णय लिया गया कि आज ही भवन में गणेश पूजन व कलश, मात्रिका, नवग्रह, राम दरबार, लक्ष्मीनारायण जी, हनुमान जी आदि का विधि विधान सहित पंडित अनिल त्रिवेदी एवं पंडित पुष्पेंद्र दास शुक्ला द्वारा उपस्थित महानुभावों के समक्ष करवाया गया एवम् वास्तु दोष निवारण एवं भवन शुद्धीकरण हेतु हवन करवाकर अत्यंत शुभ मुहूर्त का लाभ उठाया गया। निकट भविष्य में निर्माण कार्य समाप्त होने पर शुभ लग्न में आप सब को आमंत्रित किया जाएगा।

अंतर्राष्टीय योग दिवस पर आयोजित हुआ योग समागम

व्यायामात् लभते स्वास्थ्यं दीर्घायुष्यं बलं सुखं।
आरोग्यं परमं भाग्यं स्वास्थ्यं सर्वार्थसाधनम् ॥

लक्ष्मणगढ़ | 21 जून 2023 (निजसंवाददाता) | बगड़िया बाल विद्या निकेतन में बुधवार को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष में योग गुरु विमल पारीक के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के साथ लगभग एक घंटे से ज्यादा चले योग सम्मेलन के माध्यम से स्वास्थ्य के प्रति जन जागरुकता लाने का प्रयास किया गया ।योगाभ्यास के पश्चात सभी प्रतिभागियों को अंकुरित अल्पाहार एवं छाछ विपरीत कर बच्चों को इस फास्टफूड के ज़माने में सुनियोजित एवं पोषित आहार का महत्व बताया गया । कार्यक्रम में निकेतन सचिव पवन गोयनका, प्राचार्या मधुलिका मिश्रा के साथ समस्त स्टाफ गण बगड़िया बी. एड के व्याख्याता उपस्थित रहे |

कार्यक्रम के माध्यम से समस्त जन सामान्य से अपील की गई कि योग को दैनिक दिनचर्या का हिस्सा बनाया जाये जिससे कि कई शारीरिक एवं मानसिक व्याधियों से बच कर एक स्वस्थ समाज की नींव रखी जा सके ।

सम्पादकीय

" सन्मार्ग एव सर्वत्र पूज्यतेनाऽपथ: क्वचित् "

भारतीय कालगणना की वैज्ञानिकता

आधुनिक वैज्ञानिकों के अनुसार भौतिक जगत् में सबसे छोटा तत्त्व परमाणु है। प्राचीन भारतीय मनीषी कालक्रम का वर्णन करते समय काल की सबसे इकाई भी परमाणु को ही मानते थे। वायु पुराण में विभिन्न काल खंडों के दिए गए विवरण के अनुसार दो परमाणु मिलकर एक अणु का निर्माण करते हैं और तीन अणुओं के मिलने से एक त्रसरेणु बनता है। तीन त्रसरेणुओं से एक त्रुटि, 100 त्रुटियों से एक वैध, तीन वैध से एक लव तथा तीन लव से एक निमेष (क्षण) बनता है। इसी प्रकार 3 निमेष से एक काष्ठा, 15 काष्ठा से एक लघु, 15 लघु से 1 नाड़िका, 2 नाड़िका से एक मुहूर्त, 6 नाड़िका से एक प्रहर तथा आठ प्रहर का एक दिन और रात बनते हैं। दिन और रात्रि की गणना साठ घड़ी में भी की जाती है। तदनुसार प्रचलित एक घंटे को ढाई घड़ी के बराबर कहा जा सकता है। एक मास में 15-15 दिन के दो पक्ष होते हैं- शुक्ल पक्ष एवं कृष्ण पक्ष । सूर्य की दिशा की दृष्टि से वर्ष में भी छह-छह माह के दो-दो पक्ष होते हैं- उत्तरायण तथा दक्षिणायण। वैदिक काल में 12 महीनों के नाम ऋतुओं के आधार पर होते थे। बाद में महीनों के नाम नक्षत्रों के आधार पर रख दिए गए - चैत्र, वैशाख, ज्येष्ठ, आषाढ़, श्रावण, भाद्रपद, आश्विन, कार्तिक, मार्गशीर्ष, पौष, माघ और फाल्गुन। इसी प्रकार सप्ताहों के नाम ग्रहों के नाम पर रखे गए हैं- रवि, सोम (चंद्रमा), मंगल, बुध, गुरु, शुक्र और शनि। प्राचीन ग्रंथों में मानव वर्ष और दिव्य वर्ष में अंतर किया गया है। मानव वर्ष, मनुष्यों का वर्ष है, जो सामान्यतः 360 दिनों का होता है। आवश्यकतानुसार उसमें घटत-बढ़त होती रहती है। दिव्य वर्ष देवताओं का वर्ष है। वहाँ छह मास का दिन और छह मास की रात होती है। मनुष्यों के 360 वर्ष मिलकर देवताओं का एक दिव्य वर्ष बनता है। मानव की सामान्य आयु 100 वर्ष मानी गई है। इसके विपरीत देवताओं की आयु 1000 दिव्य वर्षों की मानी गई है। इस प्रकार देवताओं की आयु मनुष्यों के 360 × 1000 = 360000 वर्ष के बराबर होती है।

हमारे यहाँ सबसे पुराना संवत्सर सृष्टि संवत्सर है, जिसका प्रारंभ सृष्टि के निर्माण से हुआ और सृष्टि के अंत के साथ ही इस संवत्सर का भी अंत होगा। यही सृष्टि संवत्सर, एक कल्प या ब्रह्मा का एक दिन माना गया है। सृष्टि संवत्सर की पूरी गणना प्राचीन ग्रंथों में दी हुई है। उसके अनुसार सन् 2022 में सृष्टि और उसके साथ सूर्य को बने 1960853922 मानव वर्ष व्यतीत हो चुके हैं। सृष्टि की कुल आयु 4320000000 वर्ष मानी गई है। इसमें से वर्तमान आयु निकालकर सृष्टि की शेष आयु 2359146078 वर्ष है । तदुपरांत महाप्रलय निश्चित है।

इसके बाद ब्रह्मा की रात्रि प्रारंभ होगी। यह रात्रि भी 4320000000 मानव वर्षों की होगी, जिसे प्रलय काल कहा गया है। इसके उपरांत सृष्टि के पुनर्निमाण के साथ ब्रह्मा का नया दिन शुरू होगा। इस प्रकार ब्रह्मा की एक अहोरात्र 8640000000 मानव वर्षों की होती है। ब्रह्मा को परमेष्ठी मंडल की भी संज्ञा दी गई है, जिसके चारों ओर - सूर्य चक्कर लगाता है। ब्रह्मा के अहोरात्र को 360 से गुणा करने पर एक ब्रह्मा वर्ष बनता है तथा उसे 100 से गुणा करने पर 8640000000 × 360 × 100 ब्राह्म युग होता है। इसी प्रकार कालगणना का क्रम आगे भी चलता है। सृष्टि के संपूर्ण जीवन को भी अनेक कालखंडों में बाँटा हुआ है। इसके अनुसार कुल 15 मन्वंतर होते हैं, जिनमें से प्रत्येक मन्वंतर का अधिपति एक मनु होता है। = 14 मन्वंतरों में प्रत्येक में 71 चतुर्युगी (कृतयुग या सतयुग, न त्रेतायुग, द्वापरयुग तथा कलियुग) होती हैं। 15वें मन्वंतर में केवल छह चतुर्युगी होंगी। चतुर्युगी को महायुग भी कहा गया है। गणना के अनुसार सृष्टि संवत्सर के अब । तक 6 मन्वंतर निकल चुके हैं और अब सातवाँ मन्वंतर चल रहा है। वैवस्वत मनु से प्रारंभ होने के कारण इसे ई वैवस्वत मन्वंतर कहते हैं। इस सातवें मन्वंतर, वैवस्वत मन्वंतर के भी 27 चतुर्युग व्यतीत हो चुके हैं, तथा 28वें चतुर्युग के भी तीन युग निकल चुके हैं और चौथा युग कलियुग चल रहा है। एक चतुर्युगी में कुल 4320000 वर्ष होते हैं, जिनका विवरण इस प्रकार है— कृतयुग - 1728000 वर्ष, त्रेतायुग- 1296000 वर्ष, द्वापरयुग-864000 वर्ष, कलियुग — 432000 वर्ष । इस गणना के अनुसार प्रत्येक मन्वंतर में 306720000 वर्ष होते हैं तथा पंद्रहवें मन्वंतर में केवल 6 चतुर्युगी होने के कारण गुणा 6 25920000 वर्ष होते हैं। इनका कुल योग 306720000 14 + 25920000 4320000000 वर्ष सृष्टि की कुल आयु को तथा ब्रह्मा के एक दिन या एक कल्प को प्रकट करते हैं। एक अन्य पौराणिक मान्यता के अनुसार मन्वन्तर केवल 14 होते हैं, 15 नहीं। इस मान्यता के अनुसार प्रत्येक युग के प्रारंभ और अंत में उनका दसवाँ भाग क्रमश: संध्याकाल और संध्यांश होता है। इस प्रकार 15वें मन्वंतर की छह चतुर्युगी इन्हीं 14 में लगभग पूरी हो जाती हैं।

पौराणिक मान्यता से मुक्त रहते हुए प्रसिद्ध विद्वान आर्यभट ने मन्वंतर तो 14 ही माने हैं, परंतु उनके अनुसार प्रत्येक मन्वंतर में 71 के स्थान पर 72 महायुग होते हैं तथा इनमें सभी युग समान कालावधि के होते हैं। आर्यभट इस अवधि को 1080,000 वर्ष ही मानते हैं। इस प्रकार महायुग की संपूर्ण अवधि (1080000 गुणा 4 4320000 वर्ष) के बारे में आर्यभट का कोई मतभेद नहीं है। चतुर्युगी में सबसे कम अवधि कलियुग की है। इससे दो गुना अवधि द्वापर की, तीन गुना त्रेता की तथा चार गुना कृतयुग की होती है। वर्तमान कलियुग का प्रारंभ युधिष्ठिर के अवसान के समय में माना जाता है। इसी समय से कलिसंवत् भी प्रारंभ हुआ। यह घटना चैत्र शुक्ल प्रतिपदा की मानी जाती है। ब्रह्मांड पुराण में भी इसका उल्लेख है। एक पौराणिक कथा के अनुसार महाप्रलय के उपरांत चैत्र शुक्ल प्रतिपदा को ही ब्रह्मा ने नई सृष्टि के लिए आदेश दिया। कलियुग को चार चरणों में विभाजित किया जाता है। प्रत्येक चरण 1,08,000 वर्ष का है। निश्चित ही यह अवधि बहुत लंबी लगती है, मगर सृष्टि नियंता की दृष्टि से यह अवधि अत्यंत अल्प है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार इन अलग-अलग युगों में ईश्वर ने भक्तों की रक्षा और दुष्टों के विनाश के लिए अलग-अलग अवतार लिए। कृतयुग में शंखासुर के विनाश के लिए मत्स्यावतार हुआ, समुद्रमंथन में देवताओं की सहायता के लिए कच्छप अवतार हुआ, हिरण्याक्ष के वध के लिए वाराह अवतार हुआ तथा भक्त प्रह्लाद की रक्षा और हिरण्यकशिपु के संहार के लिए ईश्वर ने नृसिंह रूप धारण • किया। त्रेतायुग में ईश्वर ने वामनावतार धारण करके राजा बलि से पृथ्वी का दान लेकर उन्हें पाताल का राज्य दिया, तथा रावण का वध करने के लिए उन्होंने राम के रूप में धरती पर जन्म लिया। उन्होंने द्वापर में कंस तथा अन्य दुर्जनों का वध करने के लिए कृष्ण का अवतार लिया। पौराणिक मान्यता के अनुसार कलियुग में भी ईश्वर अवतार लेंगे। वह कल्कि अवतार होगा, जो कलियुग के उत्तरार्द्ध में उसकी समाप्ति से केवल 891 वर्ष पूर्व होगा। इस महायुग में सतयुग का प्रारंभ कार्तिक शुक्ल नवमी सच्चे साहित्य का निर्माण एकांत चिंतन और एकांत साधना में होता है। बुधवार को, त्रेतायुग का प्रारंभ वैशाख शुक्ल तृतीया सोमवार को, द्वापर का प्रारंभ माघ कृष्ण प्रतिपदा को तथा कलियुग का प्रारंभ भाद्रपद कृष्णा त्रयोदशी को माना जाता है। पौराणिक मान्यता के अनुसार रामायण की घटना त्रेतायुग के उत्तरार्द्ध में तथा महाभारत की घटना द्वापर के उत्तरार्द्ध में घटी। प्रत्येक मन्वंतर में मनु के अतिरिक्त, मनुपुत्र, मनुपुत्रियाँ, सप्तर्षि, देवता तथा इंद्र आदि होते हैं, जो अपना-अपना निर्धारित कार्य संपन्न करते हैं। मनु अपने मन्वंतर का स्वामी और संचालक होता है। मनुपुत्र उसके सहयोगी होते हैं, मनुपुत्रियाँ भौतिक और आध्यात्मिक शक्तियों की स्वामिनी होती हैं, इंद्र पर सुरक्षा का दायित्व होता है तथा सप्तर्षि एक मन्वंतर में प्राप्त ज्ञान को सुरक्षित रखकर उसे अगले मन्वंतर में हस्तांतरित करते हैं। सामाजिक व्यवस्था के संचालन और इनके मार्गदर्शन का दायित्व भी सप्तर्षियों का है। इन सबसे ऊपर विष्णु, सृष्टि के पालक का कार्य करते हैं। इस प्रकार वैदिक कालगणना अत्यंत वैज्ञानिक है। इसको आधार मानकर सृष्टि एवं मानव जीवन का कालक्रम एवं उसके विकास की गणना की जा सकती है।

शशिकान्त जोशी
सम्पादक

ओमप्रकाश चौधरी शूटिंग अकादमी का किया उद्घाटन

लक्ष्मणगढ़ (निजसंवाददाता) । उपखंड क्षेत्र के नरोदडा गाँव निवासी अंतरराष्ट्रीय निशानेबाज ओमप्रकाश चौधरी द्वारा संचालित शूटिंग अकादमी का शुभारंभ बुधवार को उपखंड अधिकारी राजेश मीणां, अर्जुन अवार्डी एवं अंतरराष्ट्रीय कोच सुरेश मिश्र, ग्राम पंचायत नरोदडा के सरपंच एवं सरपंच संघ अध्यक्ष महेंद्र सिंह ख्यालिया, थानाधिकारी मनोज कुमार ने फीता काटकर किया।

इस अवसर पर पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष दिनेश जोशी, कैप्टेन सुरेंद्र सिंह, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष राकेश सिहाग, बलवीर सहारण, एडवोकेट सुमेर सिंह, जैताराम ख्यालिया, विद्याधर ख्यालिया, कैप्टेन मनोहर सिंह, कैप्टेन विनोद काजला, कैप्टेन शेर सिंह, सत्यनारायण लांबा सहित मंचस्थ अतिथियों का माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। ओमप्रकाश ने इस प्रकल्प के बारे में विस्तार से बताया। इन्होंने कहा कि उनका उद्देश्य धन कमाना नहीं है, बल्कि प्रति वर्ष तहसील के 100 बच्चों का चयन करवाना है।

अर्जुन अवार्डी सुरेश मिश्र ने कहा कि खेलों में 2ल कोटा बच्चों को खेल की ओर आकर्षित करता है और इस अकादमी में प्रशिक्षित 60 बच्चों को विभिन्न राजकीय सेवा प्रकल्पों में नियुक्ति मिल चुकी है। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार द्वारा खेलों को बढ़ावा मिलेगा तभी बच्चे आगे बढ़ेंगे। इस अवसर पर कैप्टेन शिवराम ख्यालिया, पंचायत समिति सदस्य अमृत ख्यालिया, प्रेम सिंह, निवास ख्यालिया, रामकुमार ख्यालिया, सहकारी समिति अध्यक्ष महावीर प्रसाद ख्यालिया, वीरेंद्र महरिया, ओमप्रकाश को फौज में भर्ती होने के लिए प्रेरणा देने वाले नरेश, दीपेंद्र सिंह, कैप्टेन विनोद काजला, शूटर महिपाल ख्यालिया, नर्सिंग ऑफिसर राजेश ख्यालिया, भाजपा नेता अरुण चौधरी, एडवोकेट महिपाल सिंह, बाबूलाल, सूबेदार गोपाल ख्यालिया, श्री वत्स, घीसाराम ख्यालिया सहित बड़ी संख्या में खेलप्रेमी उपस्थित थे।

श्री ऋषिकुल विद्यापीठ में ग्रीष्मकालीन अभिरुचि शिविर का हुआ आयोजन

लक्ष्मणगढ़ (निजसंवाददाता) । स्थानीय श्री ऋषिकुल विद्यापीठ में राजस्थान राज्य भारत स्काउट एवं गाइड के तत्वाधान में ग्रीष्मकालीन अभिरुचि कार्यक्रम का समापन समारोह आयोजित हुआ ।

समापन समारोह मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी राम निवास शर्मा के आतिथ्य मे संपन्न हुआ। संस्था प्राचार्य ड़ा रेखा शर्मा एवं स्थानीय संघ सचिव प्यारेलाल नायक द्वारा अतिथियों का स्वागत किया । कार्यक्रम मे रामनिवास राजोतिया,रामबक्स बगड़िया, पुरुषोत्तम मिश्र,अनंतराम सेन ,संजय जोशी ,डॉ निरुपमा उपाध्याय ,डॉ सुधा जाजोदिया, प्राचार्य भवानी शंकर शर्मा मंचस्थ अतिथि थे। अभिरुचि शिविर में नृत्य प्रशिक्षण पायल कुमावत के नेतृत्व में रुद्राक्ष ढंण्ढ के द्वारा दिया गया। ड्रॉइंग एवं पेंटिंग पायल चेजारा के द्वार प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम का संचालन महावीर प्रसाद पुनिया ने किया । कार्यक्रम में लक्ष्मण सिंह बगड़िया , राजेश डोटासरा प्यारेलाल महला, मिथिलेश मील, धर्मपाल बगड़िया, श्रीमती शशि कला, श्रीमती संतोष ढ़ाका, श्रीमती तारामणी, श्रीमती इंदु शर्मा,मधु मिश्रा, सुमन शर्मा, डिंपल जोशी,बनवारी मील, राजेंद्र शर्मा आदि मौजूद थे।

बैंड 'वादन प्रतियोगिता के साथ, राव राजा कल्याण सिंह की जयन्ती मनाई

सीकर (निजसंवाददाता) | कल्याण धाम में राव राजा कल्याण सिंह जी की 137 वी जन्मजयंती मनाई | जिसमे महंत विष्णु प्रसाद शर्मा ने तथा पधारे हुए अतिथियों ने द्वीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की।

भव्य बैंड वादन प्रतियोगिता करवा कर राव राजा की जन्मजयंती मनाई गई। महंत विष्णु प्रसाद जी ने राव राजा कल्याण सिंह जी के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कल्याण सिंह जी को लोककल्याणकारी राजा बताया। जिसमें रविप्रसाद शर्मा, राजवीर सिंह सरवडी, फूलचंद सैनी, राधाकृष्ण चौबदार, संजीव जोशी, मनीष शर्मा, अक्षय सैन, यश अग्रवाल, विक्रम सिंह, राजीव शर्मा, बिडि सिंधी, रवि प्रधान आदि भक्त मौजूद रहे।

विप्र कल्याण बोर्ड के सदस्य बूंटोलिया की कुशलक्षेम जानने लक्ष्मणगढ़ आये बोर्ड चेयरमैन शर्मा

लक्ष्मणगढ़ | 21 जून (निजसंवाददाता)| राजस्थान सरकार में विप्र कल्याण बोर्ड के सदस्य वरिष्ठ पार्षद समाजसेवी पवन बूंटोलिया की कुशलक्षेम जानने व स्वास्थ्य की जानकारी लेने राजस्थान विप्र कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष महेश शर्मा बुधवार को लक्ष्मणगढ़ आये तथा बूंटोलिया के निज निवास पहुंचे | उल्ले

खनीय है कि श्री बूंटोलिया के हाल ही में जयपुर के निजी अस्पताल में बाईपास सर्जरी हुई थी | अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद अपने निज निवास पर स्वास्थ्य लाभ ले रहे हैं | इसी सिलसिले में बोर्ड चेयरमैन श्री शर्मा ने बूंटोलिया की कुशलक्षेम जानने लक्ष्मणगढ़ आए इस अवसर पर उनके साथ विप्र कल्याण बोर्ड के सचिव अश्विनी शर्मा, राजेन्द्र बूंटोलिया भी थे |

इस दौरान विप्र कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष एवं उनके साथ पधारे हुए अतिथियों का तिलकार्चन , स्वस्तिवाचन, माल्यार्पण और प्रतीक चिह्न प्रदान कर बाल कृष्ण चिरानिया, मनोज मिश्र, प्रभाष नारनोलिया, एनएसयुआई के संभाग अध्यक्ष दीपक पांडे, पूर्व पार्षद धनराजन सिखवाल, छगनशास्त्री, विनोद शर्मा बनाई वाले, प्रमोद ढण्ड सूर्य प्रकाश महर्षि, जगदीश महर्षि, नवीन शर्मा, प्रमोद डीडवानिया आदि ने सम्मानित किया | इस अवसर पर उपस्थित जनों के साथ विप्र कल्याण बोर्ड की योजनाओं व विप्र कल्याण के मुद्दों पर चर्चा परिचर्चा की |

विद्यालय परिवार ने छात्रा मिताली का किया अभिनन्दन

प्रथम प्रयास में की आईआईटी परीक्षा उत्तीर्ण

लक्ष्मणगढ़ | 19 जून (निजसंवाददाता) | आदर्श विद्या मंदिर की छात्रा मिताली सैनी पुत्री सुरेश कुमार सैनी (भभैवा) ने अखिल भारतीय स्तर पर आयोजित आईआईटी प्रवेश परीक्षा पहले ही प्रयास में उत्तीर्ण करने पर विद्यालय परिवार ने छात्रा व परिवारजनों का स्वागत किया | छात्रा मिताली सामाजिक कार्यकर्ता जगदीश सैनी की चचेरी बहन है | इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य अशोक कुमार शर्मा ने छात्रा को श्रीफल देकर, साफा पहनाकर व प्रतिक चिह्न भेंट कर अभिनन्दन किया | इस अवसर पर छात्रा के ताऊ रामावतार भभैवा सहित विद्यालय स्टाफ मौजूद थे |

पुरी की तर्ज पर जगन्नाथ, बलभद्र व सुभद्रा रथ पर सवार होकर नगर भ्रमण

श्रीमाधोपुर (निजसंवाददाता) | नगर आराध्य देव श्री गोपीनाथजी के मंदिर से शनिवार को उड़ीसा के पुरी की तर्ज पर जगन्नाथ, बलभद्र व सुभद्रा रथ पर सवार होकर नगर भ्रमण पर निकले।

श्रद्धालुओं में भगवान का रथ खींचने और छूने की होड़ लगी रही। श्रद्धालुओं ने 21 फीट ऊंचे रथ को हाथों से खींचकर भगवान के प्रति आस्था प्रकट की। रथयात्रा में जगन्नाथ, बलभद्र व सुभद्रा की जगन्नाथ पुरी से लाई हुई दो-दो फीट की काष्ठ प्रतिमाओं को 18 फीट लंबे व 21 ऊंचे रथ में विराजित कर नगर के चारों बाजारों में यात्रा निकाली। इस दौरान जीवंत झांकियां भी सजाई गई।

मंदिर महंत डॉ. मनोहरशरण दास ने बताया कि इस यात्रा को गोपीनाथजी मंदिर से शहर के मुख्य मार्गों से गुजारा गया। देर शाम को भंडारा में हजारों श्रद्धालुओं ने पंगत में बैठकर प्रसाद ग्रहण किया। रथ यात्रा में शामिल होने के लिए युवा पारंपरिक धोती कुर्ता की वेशभूषा में पहुंचे। महिलाएं भी बड़ी तादाद में शामिल हुईं। समारोह में पलसाना के संत मनोहरशरणदास, महंत ओंकार दास, पूर्व विधायक झाबरसिंह खर्रा, पीतांबर शरण पटवारी, प्रियाशरण पटवारी, डॉ. योगेश यादव, बजरंग अग्रवाल, महावीर पारीक, मुरारीलाल पारीक, राजेश पंसारी, देवव्रत व श्याम नारनौली सहित कस्बे के विभिन्न संगठनों व मंदिर / कार्यकर्ताओं ने सेवाएं दी। इस दौरान इंदौर, जयपुर, चौमू, सीकर, नीमकाथाना, श्रीमाधोपुर सहित आस-पास व दूर-दराज के भक्तों ने रथयात्रा में भाग लिया।

जगह-जगह पुष्प वर्षा, भक्तों की मान मनुहार की वहीं शहर के प्रमुख बाजारों में जगह-जगह भक्तों ने आतिशबाजी व

पुष्पवर्षा कर जगन्नाथ रथयात्रा का स्वागत किया। लोंगो की ओर से मुख्य मार्ग पर भक्तों की सेवा के लिए जूस, आइसक्रीम, चॉकलेट, शर्बत, पानी व नाश्ते सहित कई व्यवस्थाएं की गई और भक्तों की मनुहार की गई। सात दिनों तक चला रथयात्रा महोत्सव : श्री गोपीनाथ मंदिर में चल रहे सात दिवसीय भगवान जगन्नाथ रथयात्रा महोत्सव का समापन भगवान जगन्नाथ रथयात्रा के साथ शनिवार को हुआ। इस दौरान मीरा चरित्र कथा व भगवान जगन्नाथ कथा सहित सप्ताहभर तक कई धार्मिक कार्यक्रम हुए।

बेटा पढाओं संस्कार सिखाओ अभियान की नवीन कार्यकारिणी का हुआ गठन

लक्ष्मणगढ़ (निजसंवाददाता) | बेटा पढाओ - संस्कार सिखाओ अभियान की नवीन कार्यकारिणी का गठन सर्वसम्मति से किया गया। संस्था के प्रवक्ता राजीव सिंह ने बताया कि नवगठित कार्यकारिणी में सर्वसम्मति से कवि हरीश शर्मा को अध्यक्ष, महावीर नायक बगड़ी, मयंक शर्मा, हितेश शर्मा व सायर सिंह को उपाध्यक्ष, कवयित्री डॉ निरुपमा उपाध्याय को महासचिव, विनीत सोनी को सचिव, आकाश झूरिया को कोषाध्यक्ष, अनमोल सुरेका को सह कोषाध्यक्ष, चंद्रप्रकाश शर्मा को मीडिया प्रभारी, ललित चंदेलिया को सह मीडिया प्रभारी, राजीव सिंह को प्रवक्ता व प्रदीप पारिक को सह-प्रवक्ता बनाया गया है। इस दौरान टीम सदस्यों द्वारा अभियान की ओर से किए जाने वाले भावी कार्यों व सामाजिक प्रकल्पों पर चर्चा भी की गई।

हनुमान भक्त मंडल द्वारा हनुमान चालीसा पाठ का 100 वां सोपान आयोजित

श्रीमाधोपुर (निजसंवाददाता) । कस्बे के श्री हनुमान भक्त मंडल द्वारा गत 24 माह से प्रत्येक शनिवार को अलग-अलग मंदिरों में सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया जाता रहा है। इसी क्रम में सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ का 100 वां सोपान श्री हनुमान मंदिर, कालू जी रसगुल्ले वाले के सामने वाली गली कचियागढ़, श्रीमाधोपुर में शनिवार रात को आयोजित किया गया।

मंडल के सत्यनारायण सैन ने बताया कि इस सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल श्रीमाधोपुर के सौजन्य से किया जाता है। सैन ने बताया कि संगीतमय पाठ के लिए साउंड, साज-बाज भी निशुल्क रहते है । अब तक के 100 संगीतमय पाठ सभी सनातनियों के सहयोग व श्री राम की कृपा से संपन्न हुए है तथा 101 वां विशाल सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ विश्व हिंदू परिषद एवं सर्व हिंदू समाज हनुमान भक्त मंडल की ओर से श्रीमाधोपुर कस्बे के चौपड़ बाजार स्थित इमली वाले बालाजी मंदिर में 1 जुलाई शनिवार को सायंकाल 6.30 बजे सेआयोजित किया जाएगा। यह आयोजन भी आम जन के सहयोग से संपन्न होगा जिसमे सभी क्षेत्रवासियों को आमंत्रित किया गया है ।101 वे सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ को सभी के सहयोग से सफलतम बनाने के लिए पूरे श्रीमाधोपुर क्षेत्र में प्रचार प्रसार किया जा रहा है।

झुंझुनू एकेडमी विज्डम सिटी में मनाया इंटरनेशनल योगा-डे

झुंझुनूं (निजसंवाददाता) । झुंझुनू एकेडमी विज्डम सिटी प्रागंण में इंटरनेशनल योगा-डे पूर्ण मनोयोग से मनाया गया। कार्यक्रम में पधारे ब्रह्मनिष्ठ कर्मयोगी संत अंतरराष्ट्रीय गीता उपदेश संस्थान के संस्थापक योगी मोहननाथ महाराज एवं योग गुरु मनोजकुमार सैनी का प्राचार्य डॉ. रविशंकर शर्मा, उप प्राचार्या सरोज सिंह, हैडमिस्ट्रेस उमा शर्मा एवं प्रशासक कमलेश कुलहरि ने भावमय स्वागत अभिनंदन किया। ज्ञात रहे कि 21 जून को संपूर्ण विश्व 'इंटरनेशनल योगा-डे' मना रहा है। इसलिए इस अंतर्राष्ट्रीय मुहिम में वि ज्डम सिटी के छात्रावास एवं स्कूल के सभी छात्र-छात्राओं, अध्यापकों को योग गुरु मनोज कुमार सैनी ने अनेक प्रकार के योगासन करवाए।

उन्होंने सामूहिक रूप से पद्मासन, भुजंगासन, गोमुखासन, सुखासन, वज्रासन, नौकासन, पर्वतासन, हलासन जैसी योगिक क्रियाओं से होने वाले शारीरिक एवं मानसिक लाभों के बारे में विस्तार से बताया एवं सभी ने सामूहिक रूप से योगासन भी किए। मोहननाथ महाराज ने अपने उद्बोधन में कहा कि दीर्घ एवं स्वस्थ जीवन के लिए योग बहुत जरूरी है। वेदों और पुराणों में भी योग को सर्वोपरि बताया गया है। योग एक ऐसी प्रक्रिया है जिसमें बिना धन खर्च कर कई बीमारियों से बचा जा सकता है। योग के माध्यम से संभावित बीमारियों को होने से पहले ही दूर किया जा सकता है।

इसलिए योग संभावनाओं को संभव बनाता है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रशंसा करते हुए कहा कि योग को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 1 पहुंचाने व योग दिवस मनाने का श्रेय उन्हें ही जाता है। आज लगभग 192 देश इसे अपना चुके हैं। यूनेस्को ने भी माना है कि योग के माध्यम से सभी तनाव एवं अवसाद दूर होते हैं। इसलिए इसे वैश्विक स्तर पर पहुंचाकर हर व्यक्ति को इससे जोड़कर निरोग बनाया जा सकता है। कार्यक्रम का समापन स्कूल प्राचार्य डॉ. शर्मा ने धन्यवाद उद्बोधन के साथ किया।

सम्पादक,प्रकाशक,मुद्रकः शशिकान्त जोशी, जयन्ती प्रकाशन लक्ष्मणगढ़ (सीकर) राजस्थान | कृष्णा प्रिन्टर्स के लिये सागर कम्प्यूटर, जयपुर द्वारा मुद्रित | प्रबन्ध सम्पादक- डॉ. महेन्द्रआचार्य, समाचार सम्पादक- भानुप्रकाश जोशी
शेखावाटी सन्मार्ग को online पढ़ने के लिये www.srrividya.com वेब साईट विजिटकरें |